केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 302 रविवार 26 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

योगी जी की सरकार में दंगे और दंगाई दोनों बंद

गाजीपुर (आभा) । गाजीपुर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं आपका आशीर्वाद लेने आया हूं। गाजीपुर कह रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। इंडिया गठबंधन पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, आजादी के बाद कांग्रेस ने कसम खा ली थी कि इस क्षेत्र का विकास नहीं करेगी। यहां के लोग गरीबी में घुट–घुटकर जीने को मजबूर रहे। पटेल आयोग की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, यहां कि तकलीफ को सबसे पहले हमारे गहमरी बाबू ने उठाया था। उन्होंने संसद में नेहरू जी को यहां की स्थिति बताई और आंख में आंसू के साथ बाबू जी ने बताया कि कैसे यहां के लोग जानवरों के गोबर से गेहूं बीनकर खाते थे। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने राजनीतिक मौके तलाशे और सियासी ड्रामे किए। कांग्रेस ने लोगों की आंख में धूल झोंकने के लिए पटेल आयोग बनाया। रिपोर्ट आई फिर फाइल धूल फांकने के लिए छोड़ दी गई। पीएम मोदी ने सपा पर निशाना साधा।

आरटीआई मैदान में भाजपा प्रत्याशी पारस नाथ राय के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी विपक्ष पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा, पहले की सरकारों में दंगाई खुलेआम घूमते थे, योगी सरकार आने के बाद दंगे और दंगाई दोनों बंद हो गए। पीएम मोदी ने कहा, हमारी सरकार हर गरीब को मुफ्त राशन दे रही है। कोरोना के इतने बड़े संकट में भी सरकार ने गरीब को भूखे नहीं सोने दिया। गरीब के घर का चूल्हा बुझने नहीं दिया।

बिहार की 8 सीटों पर 57.45: मतदान

पटना (आभा)। बिहार में शनिवार को छठे चरण के चुनाव को लेकर 55.45 फीसदी मतदान हुआ। 2019 में इन सीटों पर 58.47 फीसदी मतदान हुआ था। इस प्रकार, इस बार करीब 3 फीसदी मतदान कम हुआ है। इस चरण में वाल्मिकी नगर में 58.25, फीसदी, पश्चिम चंपारण में 59.75 फीसदी, पूर्वी चंपारण में 57.30 फीसदी, शिवहर में 56.30 फीसदी, वैशाली में 58.50 फीसदी, गोपालगंज में 50.70 फीसदी, सीवान में 52.50 फीसदी और महराजगंज में 51.27 फीसदी मतदान हुआ। इस बात की जानकारी मतदान के बाद निर्वाचन विभाग में प्रेस कांफ्रेंस में बिहार के सीईओ एचआर श्रीनिवास ने दी। इस चरण में पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह, सांसद संजय जायसवाल, जर्नादन सिंह सीग्रीवाल, वीणा देवी, पूर्व सांसद लवली आनंद, हेना शहाब, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहार चौधरी, रितू जायसवाल, विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला सहित 86 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। वाल्मीकिनगर में 10, पश्चिम चंपारण में 8, पूर्वी चंपारण में 12, शिवहर में 12, वैशाली में 15, गोपालगंज (सु) में 11, सीवान में 13 और महाराजगंज में 5 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। सीवान में त्रिकोणीय मुकाबला है जबकि अन्य सात सीटों पर एनडीए एवं इंडिया गठबंधन में सीधा मुकाबला है।

छठवां चरण: कड़ी धूप में कहीं धीमा, कहीं भारी मतदान

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान शनिवार को शाम छह बजते ही खत्म हो गया। चुनाव आयोग के आंकड़े के अनुसार, छठे फेज की कुल 58 सीटों पर शाम पांच बजे तक 57.70 फीसदी वोट पड़े हैं। पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा 77.99: मतदान हुआ, जबकि जम्मू–कश्मीर में सबसे कम 51.35: रहा। शनिवार को जिन 58 सीटों पर वोट डाले गए, उनमें दिल्ली की सभी 7 सीटें भी शामिल हैं। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश की 14, हरियाणा की 10, बिहार और पश्चिम बंगाल की 8–8 सीटों पर भी मतदान हुए। छठे चरण में ओडिशा की 6 सीटों, झारखंड की 4 सीटों और जम्मू–कश्मीर में एक सीट पर लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

रोहतक से कांग्रेस के प्रत्याशी दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि सभी लोगों का रुझान कांग्रेस के प्रति है। लोग शांतिपूर्वक तरीके से मतदान में हिस्सा ले रहे हैं। पूरे प्रदेश में लोगों का रुझान बदलाव का है। हम रोहतक समेत हरियाणा की 10 की 10 सीटें हम जीतेंगे।

चुनाव आयोग ने शाम 5 बजे तक के वोटिंग के प्रतिशत जारी कर दिये हैं। पश्चिम बंगाल सुबह से ही बढ़त बनाए हुए है कुछ जगहों पर हिंसा की खबरों के बीच वहां पर सबसे ज्यादा 77.99 फीसदी वोटिंग हुई। जम्मू कश्मीर में सबसे कम 51. 35 फीसदी मतदान हुआ है। कुल मिलाकर 58 सीटों पर हो रहे चुनावों में शाम 5 बजे तक 57.70 फीसदी वोटिंग हुई है।

पश्चिम बंगाल की दुर्गापुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी ने कहा की जहां भी टीएमसी हार रही है, उनके कार्यकर्ता हमलावर हो रहे हैं। हमारे प्रत्याशी मैदान में हैं और इन हमलों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं। भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने टीएमसी पर चुनाव में गुंडागर्दी करने का आरोप लगाया है। मालवीय ने कहा कि टीएमसी के गुंडों ने झारग्राम के भाजपा प्रत्याशी पर जानलेवा हमला किया है। ममता बनर्जी यहां लोकतंत्र की हत्या कर रहीं हैं। लोगों को वोट डालने से रोके जाने के बावजूद यहां सबसे अधिक मतदान हुआ है, लोग टीएमसी को यहां से भागाने के लिए वोट कर रहे हैं।

दिल्ली कांग्रेस के नेता अजय माकन भी अपने मतदान का प्रयोग किया, मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि लोग इंडिया गठबंधन का समर्थन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा जो शब्द लगातार चुनावी भाषणों में उपयोग किए जा रहे हैं, वे प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। प्रधानमंत्री पद की गरिमा बनी रहनी चाहिए। 1983 के क्रिकेट विश्वकप विजेता कप्तान कपिल देव ने भी दिल्ली में अपने मतदान का प्रयोग किया, साथ में उनकी पत्नी रोमी भाटिया भी मौजूद रहीं। कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने कहा कि देश कि जनता यह समझ गई है इन चुनावों में भाजपा 150 सीटों का आंकड़ा भी नहीं छू पायेगी।लोकसभा चुनाव के छठे चरण के दौरान आरजेडी लीडर तेजस्वी यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को संविधान की समझ नहीं है वे आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं। हम जब सत्ता में थे तो हमने जातिगत जनगणना कराई ।

बस्ती में मतदान के दिन भी खामोश ही रहे मतदाता
नौ प्रत्याशियों का चुनावी भाग्य ईवीएम के हवाले

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कड़ी धूप, उमस के बावजूद बस्ती में लोकसभा चुनाव का छठवा चरण शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। मतदान के बाद भी मतदाताओं की चुप्पी नहीं टूटी। 6 बजे तक बस्ती में 56.67 प्रतिशत मतदान हुआ। यह प्रतिशत अभी भारत महापरिवार पार्टी से शैलेंद्र कुमार, आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक से हाफिज अली, निर्दल प्रमोद कुमार व निर्दल से ही रामकरन चुनावी मैदान में दांव आजमा रहे हैं। इनका चुनावी भाग्य ईवीएम के हवाले हो गया। शांतिपूर्ण मतदान पर जिला प्रशासन ने राहत की सांस लिया है। मतदान हुआ। शाम को भी कई बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतार नजर आई।

जिला निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार शाम पांच बजे तक कप्तानगंज विधानसभा में 56.5 फीसदी मतदान, बस्ती सदर में 54.4 फीसदी, महादेवा में 56.4 बस्ती सदर में 29.3 फीसदी, महादेवा में 31.3 फीसदी, रूधौली में 29.5 फीसदी, हर्रया में 29.1 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

भाजपा के सांसद पद के प्रत्याशी हरीश द्विवेदी ने भी अपनी पत्नी विनीता के साथ तेलियाजोत (कटया) बूथ पर पहुंचकर मतदान किया।

–मतदान करने के बाद भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी

–मतदान करने के बाद सपा प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी

मतदान करते पूर्व आईएएस आशीष श्रीवास्तव

पहली बार मतदान करने पहुंची विदिता

–मतदान करने के बाद दयाशंकर पटवा, रमाकान्त पाण्डेय

मतदान में बेटियां और महिलायें पीछे नहीं

–कुछ बूथों पर लगी लम्बी कतारें

बढेगा। समाचार लिखे जाने तक लोग मतदान के लिये कतारों में खड़े थे। सबेरे मतदान की गति तेज रही किन्तु दोपहर में अनेक बूथों पर सन्नाटा रहा। शाम को मतदान में फिर तेजी आयी। मतदाताओं में पहले जैसा उत्साह नहीं दिखा। आस पास लोग चुनावी बहस करते भी नजर नहीं आये। कार्यकर्ताओं ने भी एक तरह से अपनी डियूटी निभायी।

सांसद व प्रत्याशी हरीश द्विवेदी, सपा के प्रत्याशी पूर्व मंत्री राम प्रसाद चौधरी और बसपा के प्रत्याशी लवकुश पटेल सहित नौ उम्मीदवार लोग पार्टी से पंकज दुबे, मौलिक अधिकार पार्टी से प्रेम कुमार,

ज्ञात रहे कि 2019 लोकसभा चुनाव में कुल 57.23 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया था। इनमें पुरुष मतदाताओं की उपस्थिति 54.26 प्रतिशत रही इनके मुकाबले 60.71 प्रतिशत महिलाएं मतदान कर स्वस्थ लोकतंत्र में सहभागी बनीं।

भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी, इण्डिया गठबंधन प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी सहित नौ उम्मीदवारों ने मतदान किया।

बस्ती जिले में शुरुआती कुछ जगहों पर ईवीएम की खराबी के बाद मतदान ने रफ्तार पकड़ा और शाम पांच बजे तक 55.02 फीसदी फीसदी, रूधौली में 53.84 फीसदी जबकि हर्रया में 54.57 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

वहीं दोपहर एक बजे तक कप्तानगंज विधानसभा में 40.5 फीसदी मतदान, बस्ती सदर में 39. 5 फीसदी, महादेवा में 31.3 फीसदी, रूधौली में 39.3 फीसदी, हर्रया में 39.5 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

जबकि सुबह 11 बजे तक बस्ती लोकसभा क्षेत्र के कप्तानगंज विधानसभा में 29.6 फीसदी मतदान, वहीं बसपा प्रत्याशी लवकुश पटेल ने अपनी माता और पत्नी के साथ मतदान किया। हर्रया विधानसभा से भाजपा विधायक अजय सिंह अपनी पत्नी के साथ लजहटा बूथ पर मतदान किया।

लोकसभा क्षेत्र बस्ती के 2151 बूथों पर मतदान शुरू होने के साथ कुल 69 मशीन खराब हुई। इसके चलते कई स्थानों पर मतदान बाधित रहा। हालांकि जिन बूथों पर मतदान सुचारू रूप से शुरू हुआ वहां पर मतदाताओं की लंबी लाइन देखी गई।

बस्ती 56, संतकबीर नगर 52.63, डुमरियागंज में 51.94 प्रतिशत मतदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा चुनाव के लिए बस्ती मण्डल में मतदान सम्पन्न हो गया। सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर और बस्ती की लोकसभा सीट के लिए सुबह से मतदान के लिए मतदाता बूथों पर पहुंचे । पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। वोट डालने के बाद फोटो खिंचवाकर इस पल को कैमरे में कैद किया।

शाम 6 बजे चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, बस्ती में सबसे अधिक 56.67 प्रतिशत मतदान हुआ है। दोपहर तीन बजे के बाद संत कबीर नगर में मतदान का प्रतिशत कुछ तेज हुआ। शाम पांच बजे डुमरियागंज को पीछे छोडकर संत कबीर नगर 52.63 प्रतिशत मतदान के साथ दूसरे स्थान पर आ गया। वहीं, डुमरियागंज 51.

94 पर आकर रुक गया। इसके पहले सुबह, बस्ती सदर विधानसभा के सेक्टर दो के बूथ संख्या 58 पर पीठासीन अधिकारी 3 की अचानक तबीयत खराब हो गई थी। इसकी सूचना अधिकारियों को मिलने पर तत्काल एंबुलेंस बुलाकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। जोनल मजिस्ट्रेट और एआरओ, एसडीएम सदर को जानकारी दी गई कि पीठासीन अधिकारी की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। उन्होंने तुरंत पीओ 3 की वैकल्पिक व्यवस्था कराई।

सिद्धार्थनगर जिला निर्वाचन अधिकारी पवन अग्रवाल और पुलिस अधीक्षक ने नगर पालिका परिषद में बने मतदान केंद्र पर पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

यह सरकार गरीबों को डराने के लिये बुल्डोजर चलाती है–अखिलेश

संवाददाता– गोरखपुर । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को केंद्र प्रदेश की भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में भाजपा सरकार का हर वायदा झूठा निकला है। दिल्ली से लखनऊ तक जनता परेशान है। किसानों की आय दोगुनी हुई नहीं। अलबत्ता उन पर जीएसटी का बोझ, खाद की बोरी से 10 किलो की चोरी और नैनो यरिया खरीदने का दबाव ने फसल की लागत बढ़ा दी। कर्ज वसूली के लिए किसानों पर दबाव बनाया जा रहा है। जबकि भाजपा नेताओं के मित्र उद्योगपति विदेश भाग चुके हैं।

शनिवार को अखिलेश यादव इंडिया गठबंधन से गोरखपुर सदस्य लोकसभा से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी काजल निषाद और बांसगांव से कांग्रेस के प्रत्याशी सदल प्रसाद के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। सहारा एस्टेट के क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित जनसभा में भीड़ देखकर अखिलेश यादव गदगद हो गए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नौजवानों के साथ धोखा हो रहा है। सूबे में 10 से ज्यादा परीक्षाओं के पेपर लीक हो गए। यह सरकार गरीबों को डराने के लिए बुलडोजर उनके घरों पर चलती है। लेकिन पेपर लीक करने वालों पर सरकार मेहरबान है। सरकार ने ही जानबूझकर पेपर लीक करवाए हैं। उन्होंने इसे समुद्र मंथन की तरह संविधान मंथन का चुनाव करार दिया। कहा कि यह संविधान को बचाने का चुनाव है। भाजपा सरकार के खिलाफ सातवें चरण के मतदान में जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर रहेगा।

शनिवार को अखिलेश यादव के निशाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रहे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री अपने शहर में काम्प्लेक्स तो बनवा रहे हैं लेकिन नाली का पानी नहीं निकलवा पा रहे हैं। बरसात आने वाली है । बरसात में यहां नाव की जरूरत पड़ती है। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने शहर में मेट्रो चलवाने का वायदा किया था। आज तक उसका कहीं पता नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से गोरखपुर को

–मुम्बई वाले लोग भाजपा की पसंद हैं यह नेता चुनाव के बाद गायब हो जाते हैं

जोड़ने के लिए एक लिंक एक्सप्रेस वे बन रहा है। 90 किलोमीटर के इस लिंक एक्सप्रेस वे की लागत करीब 6000 करोड़ रुपए आई है। प्रदेश के 60 लाख नौजवान नौकरी की तलाश में है। उनके परिवार भुखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं।

सपा सुप्रीमो ने सूबे के मुखिया को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सूबे के मुखिया जानबूझकर लोक कल्याण की सपा की योजनाओं को फ्लाप करने की साजिश कर रहे हैं। सपा ने युवाओं को उच्च गुणवत्ता के लैपटॉप दिए थे। इस सरकार ने नकल करने की कोशिश की लेकिन लैपटॉप खराब बांट दिए। अब वह डिब्बे में बंद है। सपा सरकार की दी हुई एंबुलेंस को खराब कर दी। एम्स के लिए सपा ने जमीन दी लेकिन आज भी गरीबों का इलाज नहीं हो रहा है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 500 बेड के सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा संस्थान को एक वार्ड बनाकर रख दिया है। यह सरकार सिर्फ इलेक्टोरल बांड से पैसा वसूलना जानती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने राशन से चना, रिफाइंड व नमक को गायब कर दिया है। सपा सरकार इसे वापस देगी। इसकी गुणवत्ता बढ़ाएगी। इसमें पैकेट वाला आटा और मोबाइल के लिए डाटा भी फ्री में देगी।

सपा सुप्रीमों के निशाने पर अभिनेता प्रत्याशी भी रहे। उन्होंने कहा कि मुम्बई वाले लोग भाजपा की पसंद हैं ।यह नेता चुनाव के बाद गायब हो जाते हैं। मेरठ और अमेठी वाले प्रत्याशी वापस भाग चुके हैं। यहां वाले भी मुम्बई का टिकट कटा चुके हैं।

सपा प्रत्याशी काजल निषाद ने कहा कि इस सरकार में किसान, बेरोजगार व महिलाएं त्रस्त हैं। लोगों का रोजगार छिन रहा है। यह राम के नहीं हैं। राम सभी के हैं। दो जून की रोटी के लिए लोगों को एक जून के घर से निकलना होगा। मतदान करें।

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव और कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की इस संयुक्त जनसभा में उमड़ी भीड़ ने आयोजकों के चेहरे खिला दिए। हालांकि इंतजाम लचर रहा। समर्थकों के खड़े होने के कारण कुर्सियां टूट गईं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वालंटियर नदारत रहे। हालत यह रही कि मंच पर भी क्षमता से अधिक लोग पहुंच गए। यह देखकर सुरक्षा कर्मियों के पसीने छूट गए। मीडियाकर्मियों के स्टैंड में कार्यकर्ताओं ने धक्का–मुक्की की। यहां पर पुलिस को तैनात करना पड़ा।

इस दौरान कार्यकर्ताओं के लिए लगे कूलर में करंट उतरने से भी भगदड़ मच गई थी। बताया जा रहा है कि यह कूलर आम जनता के पंडाल की तरफ लगा हुआ था। एक कूलर में करंट आने लगा। उसके आसपास मौजूद कई लोगों को करंट के झटके लगे। इसके बाद उसका कनेक्शन कटवाया गया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 मई 2024 रविवार

सम्पादकीय

राजनीति की डगर पर अग्निपथ

हालांकि मोदी सरकार अग्निपथ योजना को सशस्त्र बलों की गेम–चेंजर और युवा शक्ति के जरिये सेना की ताकत बढ़ाने वाली बताती रही है, लेकिन इस योजना के दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर सवाल गाहे–बगाहे उठते रहे हैं। यद्यपि जून 2022 में शुरू की गई अग्निपथ योजना फिलहाल गहन विभागीय जांच के अधीन है, लेकिन विशेषकर, विपक्ष को यह मुद्दा आम चुनाव के दौरान रास आ रहा है। जिन इलाकों से ज्यादा युवा सेना में जाते रहे हैं उन इलाकों में कांग्रेस ने सरकार पर तीखे हमले इस योजना को लेकर किये हैं। दरअसल, इस योजना के अंतर्गत सिर्फ पच्चीस फीसदी अग्निवीरों की सेवाओं को बरकरार रखने का प्रावधान है। यही वजह है कि चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर सेवा से बाहर होने वाले अग्निवीरों का मुद्दा राजनीतिक हलकों में विवादास्पद रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस ने अपने आम चुनाव 2024 के घोषणापत्र में वायदा किया है कि वह सत्ता में आई तो इस योजना को खत्म कर देगी। साथ ही सेना, नौसेना व वायुसेना द्वारा अपनाई जाने वाली पुरानी भर्ती प्रक्रिया को पुनरू लागू करेगी। हालांकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह कहा था कि सरकार आवश्यकता पड़ने पर योजना में कोई भी बदलाव लाने को लिये तैयार है। इस बयान के कुछ सप्ताह बाद एक प्रमुख समाचार पत्र ने खबर दी है कि सेना भर्ती प्रक्रिया में अग्निवीर योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिये एक आंतरिक सर्वेक्षण कर रही है। यह भी कि अग्निवीरों, यूनिट कमांडरों और रेजिमेंटल केंद्रों के कर्मचारियों की राय मांगी जा रही है। फिर सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर सेना संभावित बदलावों के लिये अगली सरकार को सिफारिशें कर सकती है। हालांकि केंद्र सरकार आश्वासन देती रही है कि अग्निवीरों के रूप में शामिल किये गए युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्हें सरकारी व निजी क्षेत्रों में समायोजित करने में वरीयता देने तथा स्वरोजगार के लिये प्रोत्साहित करने की भी बात होती रही है।

लेकिन एक हकीकत यह भी है कि सरकार का ये वायदा 75 फीसदी रंगरूटों की नौकरी की संभावनाओं के बारे में आशंकाओं को दूर करने में विफल रहा है। कहा जा रहा है कि सेवा समाप्ति के बाद इन सेवानिवृत्त अग्निवीरों की रोजगार सुरक्षा दांव पर होगी। यही वजह है कि विपक्षी राजनीतिक दल, खासकर कांग्रेस इस नाराजगी का फायदा उठा रही है। पार्टी ने हरियाणा में इसे चुनावी मुद्दा बनाने की भरसक कोशिश की है। निस्संदेह, मौजूदा परिदृश्य में अग्निपथ की गहन समीक्षा आवश्यक है। सैनिकों की कार्यशील आयु कम कर एक सैन्य बल तैयार करने के मकसद को लेकर कोई किंतु–परंतु नहीं है। लेकिन इस योजना के दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश में व्यापक बेरोजगारी व अल्प रोजगार की स्थिति को ध्यान में रखते हुए निराश युवाओं के पुनर्वास के लिये सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में समायोजन के लिये दृढ़ प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। यद्यपि यह भी हकीकत है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीति का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। लेकिन सरकारों का भी दायित्व है कि सेना की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए प्रयोगों से बचा जाए। वैश्विक स्तर पर कई विकसित देशों में ऐसे प्रयोग हुए हैं और सफल भी रहे हैं। लेकिन भारत जैसे देश जहां व्यापक बेरोजगारी है और पीढ़ी–दर–पीढ़ी सेना में भर्ती होने की गौरवशाली परंपरा रही है, उनकी भावनाओं से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। युवाओं के लिये सेना की नौकरी जीवन–यापन ही नहीं,विवाह का भी आधार होता है। जब तक उनकी गृहस्थी बसेगी, तब तक उनके रिटायर होने की स्थिति बनने लगेगी। यह असहज करने वाली स्थिति है। सेना के जोखिमों को देखते हुए जवानों की सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा के प्रति स्थायित्व होना जरूरी है। निश्चित रूप से देश की सुरक्षा और अग्निवीरों के भविष्य में सामंजस्य बेहद जरूरी है। अन्यथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे लक्ष्य में भविष्य की अनिश्चितता जवानों की कार्यक्षमता को भी प्रभावित कर सकती है।

बिहार में सत्ता की बहार के लिए कशमकश

–अतुल सिन्हा–

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बिहार में होने वाली चुनावी सभाओं पर गौर करें तो यहां उनके निशाने पर सीधे तौर पर राष्ट्रीय जनता दल और तेजस्वी यादव होते हैं। कांग्रेस और राहुल गांधी दूसरे नंबर पर होते हैं और यहां की जातिगत और परिवारवादी राजनीति तीसरे नंबर पर। तेजस्वी यादव को भी उन्होंने राहुल गांधी की तरह शहजादे का खिताब दे रखा है और इंडिया गठबंधन को भ्रष्टाचार, गुंडाराज और जातिगत जनगणना के सवाल पर बांटने वाला गठबंधन करार दिया है। उधर अपने चुनावी गणित और रणनीति की वजह से चर्चा में रहने वाले प्रशांत किशोर भी पांच दौर के चुनावों के बाद ये दावा करने से नहीं चूक रहे कि बिहार में अब भी मोदी या केन्द्र की सरकार को लेकर कोई गुस्सा नहीं है, मोदी लहर भले ही इस बार न हो लेकिन प्रशांत किशोर को इस बार भी मोदी सरकार बनती दिख रही है और खासकर बिहार में नीतीश कुमार के पलटू राम वाली छवि के बावजूद एनडीए को कोई खास नुकसान होता नहीं दिख रहा है। जबकि चुनाव विश्लेषक और किसी जमाने में सटीक चुनावी भविष्यवाणियां करने वाले सैफोलॉजिस्ट योगेन्द्र यादव इस बार एनडीए को ढाई सौ के नीचे देख रहे हैं। सबके अपने–अपने चश्में हैं और अपना–अपना नजरिया है जबकि असली फैसला खामोश वोटर यानी जनता को करना है।

लेकिन तमाम जमीनी सर्वे हवा का रुख कुछ और बताते हैं। इसकी बानगी तेजस्वी यादव और कांग्रेस की सभाओं में उमड़ती जबरदस्त भीड़ के तौर पर देखी जा सकती है। इंडिया गठबंधन जिन अंतर्विरोधों के बाद बना और आखिरी वक्त तक सीटों के बंटवारे को लेकर जो असमंजस रहा, उसे भाजपा और जेडीयू अपने पक्ष में मान रही है और अपनी चुनावी सभाओं में इसे लेकर अब तक गठबंधन पर सवाल उठाती है। भाजपा के 400 पार के दावे में बिहार की 40 सीटें भी शामिल हैं। 2019 में भाजपा ने यहां से जो 17 उम्मीदवार उतारे थे, वह सभी जीते थे जबकि जेडीयू के 17 में से 16 उम्मीदवार जीते थे। एनडीए के अन्य घटकों में लोक जनशक्ति पार्टी के भी सभी 6 उम्मीदवार जीत गए थे। पिछले आम चुनाव में यानी एनडीए को कुल 40 में से 39 सीटें मिली थीं जबकि एक सीट कांग्रेस ने जीती थी। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस बार भाजपा अपनी सभी सीटें बचा पाएगी, क्या नीतीश की मौकापरस्ती जेडीयू को फिर से पिछली बार जितनी सीटें दिला पाएगी और क्या इस बार एनडीए 39 के आंकड़े तक पहुंच पाएगा? बिहार ऐसा राज्य है जिसमें सभी सात चरणों में चुनाव हो रहे हैं यानी 19 अप्रैल से शुरू होकर 1 जून तक लगातार। छठे दौर में 8 और आखिरी दौर में भी 8 सीटें बाकी हैं। नीतीश के पाला बदलने से भाजपा के दोबारा सरकार में आने के बाद पार्टी के पास सत्ता की ताकत भी है और मशीनरी भी, साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के दौरों से उम्मीदें भी। लेकिन आरजेडी की बढ़ती ताकत, कांग्रेस का पुनर्जीवन और राहुल गांधी की मेहनत ने इंडिया गठबंधन को काफी मजबूती के साथ जनता के सवालों से जोड़कर पेश किया है जिसका असर दिख रहा है। यहां जातिगत जनगणना का भी असर है और तेजस्वी के सरकार में रहते दस लाख नौकरी देने का रिकॉर्ड बनाने की मिसाल भी।

दरअसल, बिहार की राजनीति लगातार कई उतार–चढ़ावों से होकर गुजरती रही है। यहां वैचारिक और सैद्धांतिक राजनीति का बेशक एक दौर था, लेकिन करीब चार दशक से सारे समीकरण पूरी तरह सत्ता केन्द्रित और जाति आधारित होते गए। वर्ष 1974 के जेपी आंदोलन ने जिस नई राजनीति की नींव रखी थी और जिन मूल्यों और सिद्धांतों की बात होती थी, उसे सत्ता के खेल ने ध्वस्त कर दिया। मौजूदा राजनीति में शीर्ष पर बैठे तमाम नेता खुद को उस दौर के आंदोलनकारी बताते हैं। जेपी ने उन्हें तत्कालीन कांग्रेस सरकार, इंदिरा गांधी की निरंकुशता और इमरजेंसी जैसे कदमों के खिलाफ एकजुट करके सत्ता की राह दिखाई, लेकिन सत्ता का नशा ऐसा चढ़ा कि उस दौर के तमाम नेता भ्रष्टाचार, जातिगत समीकरण और जोड़–तोड़ के खेल में लगे रहे।

लेकिन अब युवा नेतृत्व में आई राजनीतिक परिपक्वता और एक ईमानदार, साफ–सुथरी राजनीति की उम्मीद से आम लोगों में बदलाव की चाहत दिखने लगी है। ये नेता अपने भाषणों में मोदी सरकार के वादों के साथ उनकी निरंकुश वाली छवि को उभारने और लोगों के मन में बैठाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। दरअसल भाजपा का कट्टर हिन्दुत्व और राम मंदिर जैसे मुद्दे बिहार में उतने असरदार नहीं दिखते, इसलिए यहां मोदी को भी इन नेताओं पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के अलावा कोई बड़ा दांव नहीं दिख रहा, अपनी सरकार की उपलब्धियों में पांच किलो मुफ्त अनाज की गारंटी को भाजपा तुरुप के पत्ते की तरह इस्तेमाल कर रही है। लेकिन जिस तरह बेरोजगारी और महंगाई के सवाल पर, शिक्षा और स्वास्थ्य के सवाल पर विपक्ष मोदी को घेर रहा है, उनकी योजनाओं और गारंटियों की असलियत बता रहा है, उससे उनकी रैलियों में लोगों का हुजूम उमड़ रहा है।

बिहार में चुनाव आम तौर पर जातिगत आधार पर ही लड़े जाते रहे हैं और भाजपा समेत सभी पार्टियां अपने उम्मीदवार उसी गणित के आधार पर उतारती रही हैं, इस बार भी यही स्थिति है। 2019 में जिस तरह एनडीए को लगभग 54 फीसदी वोट मिले थे, इस बार इसमें भले ही कुछ गिरावट हो लेकिन असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के अलग अलग लड़ने से कहीं न कहीं वोट बंटने का फायदा उसे ही होता दिख रहा है। यह गणित प्रशांत किशोर का है। दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन में मुख्य तौर पर आरजेडी, कांग्रेस के साथ सीपीआई (एमएल), वीआईपी, भाकपा, माकपा हैं जिसमें इस बार बेशक तेजस्वी और राहुल की सभाओं में उमड़ती भीड़ ने यह तो साबित कर ही दिया है कि इस बार टक्कर आसान नहीं है। जीत का अंतर काफी कम होने वाला है और कोई ताज्जुब नहीं कि खामोश वोटर हवा का रुख बदल भी सकता है।

यह संकेत इसलिए भी मिल रहे हैं कि इस बार मोदी मैजिक जैसी कोई चीज प्रत्यक्षदर्शी नहीं है और प्रधानमंत्री के भाषणों में सरकार के कामकाज और भावी योजनाओं की बजाय कांग्रेस और आरजेडी पर आक्रामक तरीके से हमला करने के अलावा और कुछ नहीं है। साथ ही लगातार खुद पर केन्द्रित और आत्मप्रशंसा वाले भाषण उनके लिए शायद बहुत कारगर साबित न हों। ऐसा तमाम वोटरों से होने वाली हजारों बातचीत के वीडियो से साफ होता है कि कहीं मोदी जी की आत्ममुग्धता उनके लिए मुसीबत न बन जाए।–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चुनावी समर में किसका पलडा भारी

–अवधेश कुमार–

छठवे चरण का मतदान शनिवार को हुआ, 6 वें चरण में 62.20 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं पुरुषों के मुकाबले महिलाओं ने ज्यादा वोट डाला। चुनाव आयोग की यह सूचना निश्चय ही उत्साहित करने वाली थी कि चौथे चरण में मतदान करने वालों की संख्या 2019 के मुकाबले ज्यादा रही। इस चरण में मतदान 69.56 प्रतिशत हुआ जो 2019 के इसी चरण की तुलना में 3.65 प्रतिशत अधिक है। तीसरे चरण में मतदान का आंकड़ा 65.68 प्रतिशत रहा जबकि 2019 में 68.4 प्रतिशत था। 26 अप्रैल को दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि 2019 में 69.64 प्रतिशत हुआ था। पहले चरण में 66.5 प्रतिशत मतदान हुआ जो 2019 के 69.43 प्रतिशत से कम था। हालांकि अभी 4 चरणों के मतदान को मिला दें तो यह 2019 से करीब 2.5 प्रतिशत के आसपास कम होगा।

उम्मीद करनी चाहिए कि आने वाले दो चरणों में जहां 114 सीटों पर मतदान होना है,आंकड़ा और बढ़ेगा। किंतु अगर आंकड़ा न भी बढ़ा तो राष्ट्रीय स्तर पर मतदान में इतनी कमी को ज्यादा ऊ्क्षचताजनक गिरावट के रूप में नहीं देखा जा सकता। अभी इसमें पडने की आवश्यकता नही है कि मतदान करने वालों में भाजपा और राजग के मतदाता अधिक निकल रहे हैं या विरोधियों के। इस चुनाव ने फिर एक बार साबित किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं अपने व्यवहार से कार्यकर्त्ताओं समर्थकों के लिए उदाहरण स्थापित करते हैं और राजनीति एवं चुनाव का एजैंडा भी सैट करते हैं। हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए उच्च न्यायालय द्वारा दी गई सशर्त जमानत को आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन के लिए बड़ी घटना के रूप में प्रचारित किया गया।

उन्होंने अपने चरित्र के अनुरूप निकलने के साथ ही ऐसे बयान देना शुरू किया जो अभी तक आई.एन.डी.आई.ए. के एजैंडे में नहीं था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही अपनी पार्टी में पदों के लिए 75 वर्ष की उम्र सीमा बनाई थी और चूंकि वे 17 सितंबर, 2025 को 75 वर्ष के हो रहे हैं, इसलिए रिटायरमैंट ले लेंगे। रिटायरमैंट लेंगे तो अपने करीबी अमित शाह को ही प्रधानमंत्री बनाएंगे। उन्होंने यह भी कह दिया कि वह योगी आदित्यनाथ को उनके पद से हटा देंगे। इस पर आगे चर्चा करेंगे। दो दौर में मतदान प्रतिशत की गिरावट के बाद जो संकेत सामने आया उसके बाद प्रधानमंत्री ने ऐसा लगा जैसे नए सिरे से करवट लिया हो और चुनाव प्रचार शुरू किया हो। वे अयोध्या गए ,योगी आदित्यनाथ के साथ रामलला के दर्शन किए, रोड शो किए और वहां से संदेश दिया कि चुनाव भाजपा के नियंत्रण में है। उसके बाद से चाहे वाराणसी में चौथे चरण के चुनाव के दिन नामांकन दाखिल करना हो या अन्य कार्यक्रम, वे लगातार देश के सामने रहे।

वाराणसी में कार्यकर्त्ताओं से संवाद करते हुए पूरे देश के भाजपा कार्यकर्त्ताओं और नेताओं को संदेश दिया कि मतदान बढ़ाना आपकी भूमिका है इसके लिए उन्होंने जिस तरह के भावनात्मक शब्दों का इस्तेमाल किया उससे कार्यकर्त्ता प्रेरित हुए होंगे। समाचार आ रहा था कि भाजपा के कार्यकर्त्ताओं–नेताओं का एक वर्ग स्थानीय स्तर पर उदासीन है। इसे ही कहते हैं नेतृत्व, जो जीत या हार की संभावना वाली किसी भी परिस्थिति में लोगों को प्रेरित करने के लिए जान लगा दे। प्रधानमंत्री ने यही दिखाया। उसके साथ उन्होंने दोबारा सभी टैलीविजन चौनलों, कई समाचार पत्रों को इंटरव्यू दिया। आप देखेंगे कि प्रधानमंत्री जहां भी थे वहीं से उन्होंने इंटरव्यू दिया और पूरी बातचीत की।

इन सब में नए सिरे से चुनाव का एजैंडा तथा जीतने के विश्वास के साथ भावी सरकार की कार्य योजनाओं का विवरण था। इसके समानांतर राहुल गांधी दृश्य से एक सप्ताह के आसपास लगभग ओझल रहे। रायबरेली से नामांकन के बाद वहीं दिखे और उसके बाद लगभग 10 दिन बाद उड़ीसा की रैली में सामने आए। उन्होंने टी.वी. चौनलों को चुनाव में एक साक्षात्कार भी नहीं दिया है। अरविंद केजरीवाल की ओर लौटें तो कहने की आवश्यकता नहीं कि 75 वर्ष में रिटायरमैंट एक शगूफा था। उन्हें भी पता है कि ऐसा होने वाला नहीं है। भाजपा में 2014 से कुछ समय तक 75 वर्ष की उम्र सीमा का अघोषित बंधन दिखाई पड़ता था। आगे ऐसा बंधन नहीं रहा। वी. एस. येदियुरप्पा को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया गया तो ई. श्रीधरन को केरल के मुख्यमंत्री के उम्मीदवार के रूप में पेश किया गया।

संसदीय बोर्ड एवं चुनाव समिति में ऐसे सदस्य हैं जो इस उम्र की सीमा के बंधन से आगे निकल चुके हैं। केजरीवाल ने सोचा कि भाजपा के अंदर यह प्रश्न उठेगा और समर्थक भी सोचेंगे कि भाई मोदी जी अगर रिटायर ही हो जाएंगे तो हम उनके नाम पर वोट क्यों दें? योगी आदित्यनाथ के समर्थकों की भाजपा और संगठन परिवार में सबसे बहुत बड़ी संख्या है। यानी भाजपा के समर्थकों को पहले मोदी के नाम पर और योगी समर्थकों को उनके नाम पर भ्रम और विरोध पैदा करना। वैसे आम आदमी पार्टी केवल 22 स्थान पर लड़ रही है जो मुख्यतः दिल्ली एवं पंजाब तक सीमित है। गुजरात में कांग्रेस ने उसे एक सीट दी है। इसमें उनके बयान या उनकी यात्राएं दूसरी पार्टी को बहुत लाभ पहुंचाएंगे ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है।

मुख्यमंत्री आवास पर अरविंद केजरीवाल के सहायक द्वारा राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल की बुरी तरह पिटाई एवं दुराचार सबसे बड़ा राजनीतिक बवंडर का विषय है जिनका जवाब उनके लिए देना कठिन हो गया। स्वाति मालीवाल की घटना ने आई.एन.डी.आई.ए. के नेताओं को संदेशखाली के बाद दूसरी बार ऐसी स्थिति में ला दिया है जहां सच जानते हुए भी स्टैंड नहीं ले रहे हैं। इसका संदेश आम मतदाताओं तक जा रहा है। शेष बचे मतदान में कांग्रेस का महाराष्ट्र, हरियाणा हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों के अलावा बहुत ज्यादा दांव पर नहीं है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं, पूरी पार्टी वहां लगी रही, लेकिन प्रदेश में सपा मुख्य ताकत है और कांग्रेस को केवल 17 सीटें लडने के लिए मिली हैं। बिहार में पार्टी लालू प्रसाद यादव के राजद के सहारे है और उड़ीसा में इसकी कोई ताकत नहीं।

दिल्ली में कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के बाद दूसरी ताकत होना स्वीकार किया। पंजाब में आम आदमी पार्टी से भी इसे टकराना पड़ेगा और हरियाणा में भी पार्टी काफी कलह और गुटबंदी का शिकार है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का कोई वरिष्ठ नेता चुनाव प्रचार करने नहीं गया। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी के प्रचार में केवल शशि थरूर गए। राहुल गांधी ने वहां झांकना तक जरूरी नहीं समझा। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक हरियाणा और पंजाब के पार्टी नेतृत्व की भी यही शिकायत थी कि केंद्रीय नेता अभी तक रैली करने नहीं आए। भाजपा हर चुनाव में पूरी ताकत लगाती है और रायबरेली में फिर इस बार राहुल की घेराबंदी की कोशिश थी। रायबरेली में स्थानीय नेताओं के बीच एकजुटता न देख केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्वयं सपा और भाजपा में आए विधायक मनोज पांडे के घर गए और उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह के साथ मिलकर काम करने का वायुमंडल बनाया।

पिछले चुनाव में भाजपा अपनी रणनीति से अमेठी से राहुल गांधी को पराजित कर चुकी है। राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के इन दोनों स्थानों से लडने के अनिच्छुक थे इसका प्रमाण अंतिम समय तक दोनों स्थानों के लिए उम्मीदवारी की घोषणा नहीं होना था। उनका नाम नामांकन के कुछ समय पहले घोषित किया गया। स्वयं प्रधानमंत्री ने इसे मुद्दा बनाया। निश्चय ही शेष तीन चरणों में रायबरेली, अमेठी और वाराणसी सर्वाधिक चर्चा में रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी पहले भी रैलियां कर रहे थे लेकिन पिछले 10 दिनों में जितना उन्होंने परिश्रम किया है वह सब रोड शो, रैलियां, कार्यकर्त्ताओं के साथ संवाद और टीवी इंटरव्यू में लगातार दिख रहे हैं। निश्चय ही इसका असर है और विपक्ष के नेताओं के लिए इसके समानांतर उसी रूप में संपूर्ण देश या अपने राज्यों में मतदाताओं को आकर्षित करना कठिन चुनौती है। अगर राहुल गांधी कुछ क्षेत्रों तक सीमित रहते हैं तथा अरविंद केजरीवाल को स्वाति मालीवाल के प्रश्नों पर झेंपना पड़ता है तो इसका असर चुनाव में नहीं होगा ऐसा कौन कह सकता है।

विदेशों की ओर पलायन क्यों..?

–सतीश सिंह–

भले ही भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है, लेकिन अभी तक भारत में गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा प्राप्त करने के पर्याप्त विकल्प एवं अवसर उपलब्ध नहीं हैं। यही वजह है कि यहां के छात्र विदेश पढने जाते हैं। हालांकि ये छात्र वहां पढ़ाई के क्षेत्र में दुश्वारियों से ज्यादा अपनी जान को लेकर ज्यादा ऊ्क्षचतित हैं। दरअसल, कई मुल्कों में भारतीय छात्रों पर जानलेवा हमले की संख्या बढ़ी है।

बहरहाल, आज देशभर में 1000 से अधिक विश्वविद्यालय और 42,000 से अधिक कॉलेज उच्च शिक्षा प्रदान करने का काम कर रहे हैं, लेकिन इनके पास अभी भी पर्याप्त पूंजी, कुशल शिक्षक और आधारभूत संरचना की कमी है। भारत का कोई कॉलेज या विश्वविद्यालय आज भी दुनिया में शीर्ष 10 स्थानों पर काबिज नहीं है। भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार के बावजूद सबसे बड़ी चुनौती है छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, जिसे बुनियादी सुविधाओं, कुशल शिक्षक और पूंजी उपलब्धा कराकर प्रदान किया जा सकता है। विदेश में बड़ी संख्या में छात्रों द्वारा शिक्षा ग्रहण के कारण भारत से पूंजी का बहाव विदेशों में हो रहा है और साथ में प्रतिभा का पलायन भी हो रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार जनवरी 2023 तक 15 लाख भारतीय छात्र विदेशों में पढ़ाई कर रहे थे, जबकि 2022 में यह संख्या 13 लाख थी और 2024 में इस संख्या के 24 लाख पहुंचने की संभावना है।

2020 से 2021 के दौरान विदेशों में शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों की संख्या में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों से ज्यादा बच्चे विदेश में शिक्षा ग्रहण करने जा रहे हैं, जिसका कारण सामाजिक स्टेटस सिंबल और विदेश में रहने की ललक है। विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों में से 20 प्रतिशत छात्र ही अपनी पढ़ाई पूरी करके विदेश से भारत वापस लौटना चाहते हैं, जबकि 80 प्रतिशत छात्र वहीं बसना चाहते हैं।

विदेशों में शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों में 35 प्रतिशत छात्र अमरीका में शिक्षा हासिल कर रहे हैं। आज अमरीका के शिक्षण संस्थानों में हर 4 छात्रों में से 1 छात्र भारतीय मूल का है। 2024 में ये छात्र विदेशों में 75 से 85 अरब डॉलर रुपए खर्च कर सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार वित्त वर्ष 2021–22 में विदेशी मुद्रा में 5 अरब रुपए खर्च किए गए। कोरोना महामारी के शुरू होने से पहले विदेशों में अध्ययनरत छात्र विदेश की अर्थव्यवस्थाओं में 24 बिलियन डॉलर का व्यय किए थे, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) का 1 प्रतिशत था। 2024 में इस राशि के बढ़कर 80 बिलियन डालर होने का अनुमान है। अगर भारतीय छात्र विदेश पढ़ाई करने नहीं जाते तो विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल आयात की जरूरत को पूरी करने में किया जाता, देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आती, अर्थव्यवस्था में मजबूती आती, देश की शिक्षा व्यवस्था मजबूती होती, देश की प्रतिभा का इस्तेमाल देश में किया जाता आदि।

आंकड़ों के अनुसार चीन के बाद भारत से सबसे अधिक छात्र विदेश पढने जाते हैं। भारतीय छात्र उच्च शिक्षा जैसे मैडीकल, इंजीनियरिंग, व्यवसाय प्रबंधन में डिग्री एवं डिप्लोमा हासिल करने के लिए चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, यूक्रेन, रूस, आस्ट्रेलिया, इंगलैंड, फ्रांस, जर्मनी, अमरीका आदि देश जा रहे हैं। मैडीकल की डिग्री हासिल करने के लिए भारतीय छात्र लगभग 3 दशकों से रूस,चीन, यूक्रेन, किघ्गस्तान, कजाकिस्तान, फिलीपींस आदि देश जा रहे हैं, क्योंकि भारत में मैडीकल सीट कम होने की वजह से यहां मैडीकल की पढ़ाई बहुत ही महंगी है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अनुसार वित्त वर्ग 2021–22 में देश में महज 596 मैडीकल कालेज थे, जहां कुल मैडीकल सीटों की संख्या महज 88,120 थी।

भाजपा सत्ता में आई– बदल जाएगा बाबा साहेब का संविधान –अखिलेश यादव

संवाददाता–देवरिया। अखिलेश यादव ने कहा कि 60 लाख ऐसे नौजवान हैं, जिन्होंने परीक्षा दी, लेकिन पेपर लीक हो गया और उनको नौकरी नहीं मिली। यदि एक परिवार में तीन सदस्य हों तो इस तरह एक करोड़ अस्सी लाख मतदाता भाजपा सरकार से नाराज हैं। इस सरकार ने कोरोना वैक्सीन में चोरी की है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस तरह समुंद्र मंथन हुआ था, उसी तरह संविधान मंथन चल रहा हैः। एक तरफ वे लोग हैं, जो संविधान बदलने चले हैं और दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन हैः, जो संविधान बचाने के लिए लड़ रही हैः। भाजपा यदि फिर सत्ता में आई तो बाबा साहेब का संविधान बदल देगी। वे तरकुलवा थाना क्षेत्र के आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज, पथरदेवा में इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी अखिलेश प्रताप सिंह के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। कहा कि पूर्वांचल के लोग जिस उत्साह के साथ स्वागत करते हैं, उससे भी अधिक धूमधाम से विदाई करते हैं। 2014 में जो सरकार सत्ता में आई थी, 2024 में उसकी विदाई तय हैः। 400 पार का नारा देने वाले 400 से हार रहे हैं। भाजपा की डबल इंजन की सरकार का देवरिया आते–आते धुंआ निकल जाएगा। किसानों और नौजवानों के मुद्दे पर बोलते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि किसानों की आय को दोगुनी करने वाली सरकार ने किसानों की खाद की बोरी से चोरी की है। दो बार में पांच–पांच किलो करके दस किलो खाद सरकार ने चुराने का काम किया है। चोरी की यह तकनीकी उन्होंने पारले जी बिस्कुट कंपनी से सीखा है। बिस्कुट का दाम तो वही हैः, लेकिन क्वांटिटी कम हो गई। अब सरकार बनी तो केवल एक बिस्कुट मिलेगा। सेना की स्थाई नौकरी को चार साल का करके सरकार ने देश के युवाओं के साथ धोखा किया हैः। अब यदि सरकार बनी तो भाजपाई खाकी वर्दी की नौकरी को तीन साल का कर देंगे। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को खत्म कर दिया जाएगा। 60 लाख ऐसे नौजवान हैं, जिन्होंने परीक्षा दी, लेकिन पेपर लीक हो गया और उनको नौकरी नहीं मिली। यदि एक परिवार में तीन सदस्य हों तो इस तरह एक करोड़ अस्सी लाख मतदाता भाजपा सरकार से नाराज हैं। इस सरकार ने कोरोना वैक्सीन में चोरी की है। इन्होंने पूंजीपतियों का 25 लाख करोड़ कर्जा माफ किया है। सपा–कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनने पर किसानों का कर्जा माफ किया जायेगा। गरीब महिलाओं के खाते में एक लाख रुपए सालाना भेजा जाएगा। 30 लाख युवाओं को नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह पहला ऐसा चुनाव हैः, जिसको जनता खुद लड़ रही है। पहले चरण से ही जनता ने चुनाव को अपने हाथ में ले लिया हैः। चार जून को जब नतीजे आएंगे तो उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया हो जाएगा। बहुत हो गई मन की बात अब होगी संविधान की बात। यह चुनाव मन की बात करने वालों को सबक सिखाने वाला है।

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई, एक ने मौके पर ही तोड़ा दम और तीन घायल

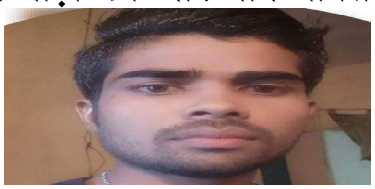

संवाददाता–देवरिया। श्रीरामपुर के मुकुंदपुर के रहने वाले चार युवक एक ही बाइक पर सवार होकर बखरी बाजार जा रहे थे। इस बीच बाइक उनकी अनियंत्रित हो गई और परसिया छितनी से बखरी जाने वाली मुख्य सड़क पर टड़वा के समीप पेड़ से टकरा गई। जिससे बाइक सवार बृजलाल चौहान पुत्र बच्चा चौहान की मृत्यु हो गई। जबकि रतेश चौबे पंकज चौबे व शनि चौबे घायल हो गए। खामपार क्षेत्र के टड़वा मोड़ के समीप शनिवार को अनियंत्रित होकर बाइक के पेड़ से टकराने के चलते बाइक सवार एक युवक की जहां मृत्यु हो गई, वहीं तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के लिए उन्हें महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। युवक की मृत्यु के बाद परिवार में मातम छा गया। श्रीरामपुर के मुकुंदपुर के रहने वाले चार युवक एक ही बाइक पर सवार होकर बखरी बाजार जा रहे थे। इस बीच बाइक उनकी अनियंत्रित हो गई और परसिया छितनी से बखरी जाने वाली मुख्य सड़क पर टड़वा के समीप पेड़ से टकरा गई। जिससे बाइक सवार बृजलाल चौहान पुत्र बच्चा चौहान की मृत्यु हो गई। जबकि रतेश चौबे, पंकज चौबे व शनि चौबे घायल हो गए। सभी एक ही गांव मुकुंदपुर के रहने वाले हैं। उपचार के लिए उन्हें पीएचसी पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। युवक की मृत्यु के बाद परिवार में मातम छा गया।

कब्रिस्तान के पास मिला होमगार्ड का शव

संवाददाता–देवरिया। शनिवार की सुबह एक ईट भट्ठे के निकट स्थित कब्रगाह के पास एक होमगार्ड का शव मिला। होमगार्ड शुक्रवार को ही घर से निकला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। होमगार्ड के मौत की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया।

नगर पंचायत बरियारपुर के वार्ड नंबर 13 बरियारपुर खास निवासी दिलीप गिरि (32) पुत्र प्रभूदयाल गिरि सदर कोतवाली में होमगार्ड के पद पर तैनात था। शुक्रवार को वह घर से निकला, लेकिन देर शाम तक वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने आस– पास खोजबीन किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। शनिवार की सुबह निकले लोगों ने बरियारपुर थाना क्षेत्र के सोहनौपार में एक कब्रिस्तान के पास युवक का शव पड़ा देख पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने के बाद लोगों की भीड़ लग गई। उन्होंने मृतक युवक की पहचान होमगार्ड पद पर तैनात दिलीप गिरि के रूप में की। जहां शव मिला उससे सौ मीटर दूर एक ईट भट्ठा भी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। मौत की खबर से पत्नी प्रियंका समेत अन्य परिजन बिलखते लगे। मृतक के दो छोटे बच्चे भी हैं। पुलिस का कहना है मृतक होमगार्ड के शरीर पर कहीं चोट का निशान नहीं है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के कारणों की जानकारी होगी।

अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई एक युवक की मौत, तीन घायल

संवाददाता–देवरिया। खामपार थाना क्षेत्र के परसिया छितनी सिंह बखरी मार्ग पर टड़वा मोड़ के पास शनिवार की दोपहर अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकरा गई। इसमें एक युवक की मौत गई, जबकि तीन घायल हो गए। एक ही बाइक पर चार युवक सवार थे। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दी है। घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा मुकुन्दपुर निवासी चार युवक शनिवार की दोपहर एक ही बाईक पर सवार होकर बखरी बाजार जा रहे थे। अभी वह खामपार थाना के परसिया छितनी सिंह से बखरी जाने वाली मुख्य मार्ग पर टड़वा मोड़ के पास पहुचे थे कि बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस घटना में मुकुंदपुर निवासी बृजलाल चौहान (28) वर्ष पुत्र बच्चा चौहान की मौके पर मौत हो गई।

जबकि रितेश चौबे (17) वर्ष पुत्र बलिराम चौबे, पंकज चौबे (25) वर्ष पुत्र सुगन्ध चौबे, शनि चौबे (13) वर्ष पुत्र देवेन्द्र चौबे गंभीर रूप से घायल है। थानाध्यक्ष खामपार महेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क हादसे में एक युवक की मौत हुई है। तीन लोग घायल है। घायलों को अस्पताल भेज दिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कोई लाठियों के बल तो कोई गोद में पहुंचा मतदान केंद्र

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकतंत्र के महापर्व में मतदान करने में बुजुर्ग भी किसी से पीछे नहीं रहे। वोट देने के लिए बुजुर्गों में गजब का उत्साह दिखाई दिया। कोई बुजुर्ग लाठियों के बल चलकर तो कोई अपनों की गोद में मतदान केन्द्र पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग कर आदर्श नागरिक का कर्तव्य निभाया। श्रावस्ती में शनिवार को हुए लोकसभा चुनाव के मतदान में वोट डालने को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया। मतदान करने में बुजुर्ग भी किसी से पीछे नहीं रहे। बिना सहारे चल पाने में असमर्थ होने के बावजूद बुजुर्गों ने उत्साह दिखाई और मतदान केन्द्र पहुंचकर वोट डाला। हिन्दुस्तान से बुजुर्गों ने अपनी मंशा जताई। कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान किया है ताकि अच्छी सरकार और बेहतर जनप्रतिनिधि चुना जा सके। लोकसभा चुनाव को लेकर पिछले कई दिनों उनके घरों में जोर शोर से चर्चा चल रही थी। बिना किसी सहारे के चल पाने में असमर्थ बुजुर्ग मतदाता भी मतदान करने की उत्साह को रोक नहीं सके और मतदान केन्द्र पहुंचकर वोट डाला। जमुनहा विकास क्षेत्र के बरगदही गांव निवासी 90 वर्षीय शांती देवी ने मतदान करने की इच्छा जताई तो उनका पोता पुष्पांत त्रिपाठी अपनी गोद में लेकर मतदान केन्द्र पहुंचे जहां शांति ने मतदान किया। शांति ने कहा कि वह चलने में असमर्थ हैं और जीवन के अंतिम पढ़ाव पर चल रही हैं। घर में कहा कि हमें भी वोट डालना है तो पोता गोद में लेकर वोट डलवाने आया है। इसी तरह मतदान केन्द्र कटरा में बुजुर्ग मोती (88) व सुन्दरपता (85) निवासी वंशगोपाल पुरवा लाठियों के बल चलकर वोट डालने मतदान केन्द्र पहुंचे। बताया कि मजबूत लोकतंत्र के लिए वोट डाला है। इसी तरह अन्य मतदान केन्द्रों पर भी बुजुर्ग महिलाओं ने उत्साह के साथ मतदान कर लोकतंत्र का हिस्सा बने। इसी तरह से जमुनहा में 96 वर्ष की महिला लाठी के सहारे मतदान करने पहुंची वहीं मिर्जापुर में पैगम्बर अली भी अपनी लाठी के सहारे मतदान केन्द्र पहुंच कर मतदान किए।

बहुमंजिली व कामर्शियल भवनों की नहीं हो रही सुरक्षा

संवाददाता–गोण्डा। जिले में बहुमंजिली व कामर्शियल भवनों की सुरक्षा को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है। शासन से बीते अक्टूबर में एडवायजरी जारी होने के बाद मानकों की अनदेखी की जा रही है। कहीं सुरक्षा यन्त्र नहीं तो कहीं सुरक्षा यन्त्र काम ही नहीं कर रहे हैं। गनीमत है कि आग नहीं लगी लेकिन कुछ जगहों पर अभी भी बालू के भरोसे है । इसके अलावा क्षमता से कई गुना अधिक बिजली उपभोग करते मिले, जिससे शार्ट सर्किट से आग लगने की संभावनाएं बढ़ी हैं।हाल ही में विद्युत सुरक्षा निदेशालय की जांच में इसकी पोल पट्टी खुलकर सामने आई है। बहुमंजिली इमारतों में अग्निकांड की बढ़ती घटनाओं को लेकर शासन से एडवायजरी जारी होने के बाद जिले में बड़ी संख्या में भवनों को चिह्नित किया गया। विद्युत सुरक्षा निदेशालय के सहायक निदेशक प्रवीण कुमार ने बताया उन्होंने करीब 12सौ भवनों की रिपोर्ट भेजी थी। जिस पर दस फीसदी इमारतों व भवनों का भौतिक सत्यापन किया जाना था । सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि इससे पहले दर्जनों भवनों के मालिकों को नोटिस जारी की गई। इसके बाद उनके यहां जांच पड़ताल की गई तो चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। हालांकि कार्रवाई के तौर पर सुधार के लिए अभी चेतावनी दी जा रही है । जांच पड़ताल में आड़े आ रही स्टाफ की कमी रू विद्युत सुरक्षा निदेशालय में न तो अभियंता है और न जांच पड़ताल के लिए अलग से अधिकारी। सहायक निदेशक प्रवीण कुमार बताते हैं कि मंडलीय स्तर के इस दफ्तर में महज आधे दर्जन कर्मचारियों से काम चला रहे हैं। जिसके चलते कुल चिन्हित इमारतों व भवनों के दस फीसदी भवनों के सत्यापन में मशक्कत करनी पड़ रही है। विभाग में कोई भी सरकारी वाहन तक नहीं है।

खुदाई के दौरान मिला हैंड ग्रेनेड, ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता–महराजगंज। जिले के फरेंदा क्षेत्र के गोपलापुर गांव में मनरेगा से पोखरा सुंदरीकरण कार्य के लिए चल रही खोदाई के दौरान हैंड ग्रेनेड मिलने से हड़कंप मच गया। फरेंदा पुलिस ने उसे कब्जे में ले लिया। एसपी सोमेन्द्र मीना ने बम निरोधक दस्ता से जांच कराने का आदेश दिया है। फरेंदा पुलिस के मुताबिक क्षेत्र के गोपलापुर गांव में प्राथमिक विद्यालय के समीप मनरेगा योजना से पोखरे की खोदाई चल रही थी। इस दौरान मिट्टी में दबा हैंड ग्रेनेड मिला। उसमें पिन भी लगा था। मजदूर उसे हाथ में लेकर देखने लगे। उसी दौरान किसी ने बता दिया कि यह बम है। इसके बाद सनसनी फैल गई। हैंड ग्रेनेड को एक जगह रखने के बाद लोग दूर खड़े हो गए। मजदूरों ने ग्राम प्रधान को बताया। प्रधान की सूचना पर पहुंची फरेंदा पुलिस ने उसे कब्जे में लिया है। बम डिस्पोजल दस्ते को बुलाकर उसकी जांच कराई जा रही है। एसपी सोमेंद्र मीना ने बताया कि फरेंदा कोतवाली क्षेत्र के गोपलापुर गांव में पोखरे की खोदाई के दौरान एक हैंड ग्रेनेड मिला है। उसमें जंग लगा हुआ है और वह निष्क्रिय है। बम निरोधक दस्ते को बुलाकर हैंड ग्रेनेड की पूरी तरह से निष्क्रियता सुनिश्चित कराई जाएगी।

रंग महल में पधारे घर अपने राम गीत को किया गया लांच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्रभु 'राम' के शब्द की व्याख्या को ब्रम्हांड की समस्त लिपियों में भी नहीं किया जा सकता है, किन्तु फिर भी हमारा ये प्रयास सागर में एक बूँद जैसा है। अयोध्या धाम में मंदिर का निर्माण मात्र एक मंदिर ही नहीं अपितु सनातन धर्म में विश्वास रखने बालों की आस्था एवं जगत कल्याण का एक प्रतीक है। हमारा गीत पधारे घर अपने राम मात्र एक गीत ही नहीं अपितु सत्य की जीत का एक उदहारण भी है जो हमने हमारे प्रभु राम से सीखा है।

प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के क्रम को निरंतरता प्रदान करते हुए मन्दाकिनी बोरा द्वारा सुरों से सजाया हमारा नया गीत ष्पधारे घर अपने रामष जवास के अवसर के परिक्रम में भक्ति, भावना, प्यार, एकजुटता और अतिरिक्त रंग को आगे बढ़ाते हुए प्रभु चरणों में आज राम मंदिर परिसर की पावन भूमि श्रंग महलष में समर्पित है। उन्होंने इस गीत को प्रभु के चरणों में समर्पित करने का शुभ कार्य रंग महल के महाराज जी

श्री श्री 108 पीठाधीश्वर महंत राम शरण दास जी के कर कमलों द्वारा किया गया।

पुजारी साकेत दास महाराज ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि रंग महल एक पावन सिद्धपीठ है, जहाँ राम लला जी ने अपना बाल्य लीला कि है और मन्दाकिनी द्वारा संगीतबद्ध वे भजन प्रभु के आशीर्वाद एवं उनकी चरणों में समर्पित करने के लिए परिपूर्ण रूप से उपयुक्त है।म्यूजिक डायरेक्टर, जावेद हुसैन ने बताया कि ष्संगीत में बाधाओं को पार करने और उत्सव की भावना में लोगों को एकजुट करने की शक्ति है। पधारे घर अपने रामष के साथ हमने एक संगीत अनुभव बनाने का प्रयास किया है जो भक्ति भावना, समर्पण और प्रयासों को भी उजागर करता है।निर्देशक नरेश शाह ने भावनाओं के सार को अपने कैमरे में कैद करने कि कला को बेहतरीन ढंग से निभाया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आईपीएस पंकज पांडेय ,सीओ अंजनी चतुर्वेदी,आचार्य नारायण मिश्रा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन एग्जीक्यूटिव प्रोडूसर विजय तिवारी ने किया।

कोई अपने आप से करने लगे बात तो वह बन रहा स्किजोफ्रेनिया का शिकार –डा. एपी भार्गव

संवाददाता–महराजगज। स्किजोफ्रेनिया(मनोविदलता) दिमाग का गंभीर विकार है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति की सोचने, काम करने भावनाओं को अभिव्यक्ति करने और वास्तविकता अपनाने की क्षमता कम हो जाती है।

ये बातें सीएमएस डॉ. एपी भार्गव ने कहीं। वे शुक्रवार को मानसिक रोग विशेषज्ञ कक्ष परिसर में आयोजित विश्व स्किजोफ्रेनिया दिवस कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीड़ित व्यक्ति अकेले में अपने आप से बात करता, हंसता और बड़बड़ता है। बीमारी का समय से पता चलने के बाद त्वरित इलाज करने से व्यक्ति की बीमारी काफी हद तक कंट्रोल हो जाती है। ऐसे पीड़ित को मार्निंग वाक, व्यायाम के साथ ही नियमित संतुलित आहार लेना चाहिए। मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज जायवाल ने कहा कि स्किजोफ्रेनिया पीड़ित व्यक्ति कल्पना और वास्तविकता में अंतर नहीं कर पाता है। पीड़ित डरा हुआ महसूस करता है। सामाजिक कार्यकर्ता निहारिका लोधी ने कहा कि इस बीमारी में व्यक्ति में मामूली परिवर्तन होता है। इससे शुरूआत में बीमारी का पता नहीं चल पाता है। मानसिक रोग परिचारक अरुण कुमार ने कहा कि यह बीमारी किशोरावस्था के आखिरी समय और व्यस्कता के शुरुआती समय में होने की आशंका अधिक होती है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को बिना किसी बात के गुस्सा आना, अजीब व्यवहार करना और समाज से दूर रहना पसंद करता है। कार्यक्रम में फिजियोथेरपिस्ट दीपक त्रिपाठी सहित कई स्वास्थ्य कर्मी और तीमारदार शामिल रहे।

सीएमओ कार्यालय सभागार में आयोजित विश्व स्किजोफ्रेनिया दिवस जागरूकता कार्यक्रम में सीएमओ डॉ. नीना वर्मा ने कहा कि मानसिक रोगियों को त्वरित इलाज व परामर्श के लिए मानसिक रोगी हेल्प लाइन नंबर–9559787602 शुरू किया गया है। इसके अलावा टोल फ्री नंबर 14416 या 1800–891–4416 पर किसी भी समय परामर्श लिया जा सकता है। एसीएमओ डॉ. राजेंद्र प्रसाद, एसीएमओ डॉ. नीरज लाल कन्नौजिया, डिप्टी सीएमओ डॉ. वीरविक्रम सिंह और डीएलओ डॉ. एनएन प्रसाद शामिल रहे।

साथी की पिटाई के विरोध में ग्राम पंचायत अधिकारियों का प्रदर्शन

संवाददाता–गोण्डा। विकास खंड पंडरी कृपाल कार्यालय में शनिवार को ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति के पदाधिकारियों ने सुबह 10 बजे से 3 बजे तक कार्य बहिष्कार करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष यमुना प्रसाद ने किया। कार्यक्रम का संचालन सुभाष पाण्डेय ने किया। संगठन के अनूप कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार को पंचायत अधिकारी के साथ प्रधान पति से हुई घटना की निंदा करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। नौशाद अहमद अंशारी ने एक साथ रह कर संघर्ष करने के लिए कहा है। रमेश कनौजिया ने राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का आहान आवाहन किया की सभी एक मंच पर आकर गिरफ्तारी न होने तक आन्दोलन चलाएं । जगजीत सिंह ने प्रधानपति के किए गए बर्बरता पूर्ण व्यवहार की घोर निन्दा की है। इस दौरान राधे रमण प्रजापति, पुष्पराज सिंह, राम अजोर, अजीत गुप्ता, उमेश यादव और राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मंत्री सीतापति राम मिश्रा व बोरिंग टेक्नीशियन संघ के अध्यक्ष कृपाराम यादव ने घटना की कड़ी निंदा की है।

बेटी के जन्म पर मिलेगा तीन हजार नकद

संवाददाता–महराजगंज। कंएमसी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने सुरक्षित व संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए पहल की है। इसके लिए अस्पताल में बेटी को जन्म देने वाली मां को हॉस्पिटल 3000 नकद देगा। इसकी शुरूआत शनिवार को हुई। सीईओ डॉ.एसएम रफीक ने जच्चा–बच्चा वार्ड में पहुंचे। बेटी को जन्म देने वाली प्रसुताओं को 3000–3000 रुपये देकर नवजात के बेहती देखभाल की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सरकार संस्थागत प्रसव को बढ़ावा दे रही है। लेकिन जानकारी के अभाव में इसका लाभ लेने से वंचित हो जा रहे हैं। अप्रिशिक्षत हाथ से प्रसव कराकर खुद के साथ नवजात के जीवन को खतरे में डाल दे रहे हैं। हॉस्पिटल में एनआईसीयू की सुविधा उपलब्ध है। इसमें जच्चा–बच्चा को बेहतर देखभाल की जाती है। बच्चियों के जन्म पर हॉस्पिटल परिवार खुश है। सीईओ ने जच्चा–बच्चा वार्ड में भर्ती हिना, खुशबू खातून और वंदना चौरसिया को 3000–3000 नकद दिया। इस मौके पर हॉस्पिटल के सभी स्टाफ मौजूद रहे।

कस्तूरबा में खुला जिम, अब परिषदीय स्कूलों की बारी

संवाददाता–महराजगज। अब कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के बच्चे पढ़ाई के साथ सेहत भी बनाएंगे। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में ओपेन जिम स्थापित किया जा रहा है। पहले चरण में 13 कस्तूरबा विद्यालयों के सापेक्ष नौ में ओपेन जिम स्थापित हो गया है। चुनाव बाद चार कस्तूरबा समेत अन्य परिषदीय विद्यालयों में भी इसे लागू कर दिया जाएगा। बीते वर्ष पढ़ाई के साथ बच्चों के मानसिक, शारीरिक विकास, क्षमता संवर्धन व आत्मरक्षा में सक्षम बनाने के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों व परिषदीय विद्यालयों में ओपन जिम स्थापित करने का निर्देश सरकार ने दिया था। जिसके क्रम में क्रिटिकल गैप के माध्यम से ओपेन जिम स्थापित किया जा रहा है। पहले चरण में कुल 13 कस्तूरबा विद्यालयों में से नौ विद्यालयों में ओपेन जिम स्थापित कर दिया गया है। इस पर करीब 50 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। धानी, नौतनवा, घुघली, फरेंदा, मिठौरा, गड़ौरा,ल क्ष्मीपुर, बृजमनगंज,वनग्राम निचलौल में ओपेन जिम स्थापित किया गया है। सिसवा, महराजगंज,पनियरा व परतावल में अभी स्वीकृत नहीं हुआ है। बताया जाता है कि लोकसभा चुनाव के बाद अन्य कस्तूरबा विद्यालय व परिषदीय विद्यालयों में ओपेन जिम स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ओपन जिम में 11 तरह के विशेष उपकरण लगाए गए हैं। इसमें सर्फिंग बोर्ड, क्रास ट्रेनर, थाई–ची स्पिनर, सीटेड पुलर, सिट अप बोर्ड डबल, चेस्ट प्रेस, लेग प्रेस, चेस्ट कम शोल्डर प्रेस, मंकी बार आदि उपकरण लगाया गया है। बीएसए श्रवण कुमार गुप्ता ने बताया कि बेसिक विद्यालयों को हाईटेक करने के साथ वहां बच्चों के शारीरिक, मानसिक, क्षमता संवर्धन के लिए खेलकूद के उपकरण भी बढ़ाए जा रहे हैं।

बोरिंग करते समय करंट से झुलसे पांच मजदूर, दो की मौत

संवाददाता–कुशीनगर। शनिवार को जिले में बड़ा हादसा हुआ। खेत में बोरिंग की पाइप डाल रहे पांच मजदूर करंट से झुलस गए। इनमें दो की कुछ ही देर बाद मौत हो गयी। तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। तीनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद गांव में अफरा तफरी मच गयी। आस पास के गांवों के लोग जुट गए। लोगों की सूचना पर लाइन काट दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चौराखास थाना क्षेत्र के गांव लक्ष्मीपुर महंथ गांव में कब्रिस्तान के पास शनिवार की दोपहर 12 बजे के करीब एक व्यक्ति के खेत में बोरिंग का काम चल रहा था। चौरा खास थाना क्षेत्र के गांव रहसू जनूबीपट्टी के टोला दूबे पट्टी निवासी रवीन्द्र कुशवाहा (50) पुत्र रामाज्ञा अपने साथी मजदूर छोटेलाल प्रसाद (35) पुत्र धारी निवासी पुरैना, बुधन प्रसाद (50) पुत्र सुखल निवासी रहसू, पंचम प्रसाद (42) पुत्र तेतरू व लाल बहादुर (45) निवासी पुरैना के साथ लक्ष्मीपुर महंथ गांव में एक व्यक्ति के खेत में बोरिंग का काम कर रहे थे। इसमें पाइप डालने के बाद उसे निकाला जा रहा था। सभी मजदूर पाइप पकड़े थे। ऊपर से 11 हजार वोल्टेज की लाइन गुजरी है। पाइप निकालते समय असावधानीवश लोहे की पाइप ऊपर से गुजरे हाईवोल्टेज तार में टच गयी और करंट उतर गया। इससे पांचों मजदूर झुलस गए। आस पास के लोग भाग कर मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से झुलसे सभी मजदूरों को गाड़ी से लाद कर ग्रामीणों ने सीएससी फाजिलनगर पहुंचाया। जहां देखते हर डॉक्टरों ने छोटेलाल व बुधन प्रसाद को मृत घोषित कर दिया। जबकि लालबहादुर, पंचम प्रसाद तथा रवींद्र कुशवाहा को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि तीनों का इलाज चल रहा है। इलाज के बाद ठीक हो जाएंगे, ऐसी उम्मीद है। घटना की जानकारी होते ही मौके पर अगल बगल के गांवों के हजारों लोग जुट गए। मृत मजूदरों के घरों में कोहराम मचा था। स्थिति देख सबके आंखों में आंसू भर गए। परिवार के लोगों का रो रोकर बुरा हाल था। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष चंद्रभूषण प्रजापति ने बताया की दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायलों को जिला अस्पताल भेजवा दिया गया है। यह एक इत्तेफाकिया घटना है।

दोनों पक्षों ने दर्ज कराई छेड़छाड़ की रिपोर्ट

संवाददाता–गोण्डा। थाना धानेपुर क्षेत्र के एक गांव में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां पक्ष और विपक्ष दोनों की ओर से छेडछाड की रिपोर्ट लिखवाई गई है। एक पक्ष की ओर से थानाध्यक्ष को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है की पीड़िता अपने दरवाजे पर खडी थी । विपक्षी अकेली देखकर छेड़छाड़ करने लगे जब पति बचाने आए तो उनके साथ भी मारपीट कर विभिन्न प्रकार की धमकियां दी और अभद्रता की गई । दूसरी तरफ आरोपी के भी एक परिजन ने आरोप लगाया है कि पीड़िता एक छात्रा है जिसे आरोपी काफी दिनों से बदनीयती से देखते रहते थे। विपक्षी मुझे घूर रहा था जब मैंने आपत्ति की तो आरोपी ने मेरे साथ अभद्रता करते हुए धक्का देकर गिरा दिया और बदनीयती से कपड़े फाड़ने की कोशिश की और छेड़छाड़ से बचाने आए मेरे भाई को भी मारपीट कर घायल कर दिया । थानाध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ल ने बताया कि दोनों ओर से शिकायतें मिली हैं। प्राथमिक दर्ज कर ली गई है। विवेचना कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इंडी गठबंधन के दलों की राजनीति हिंदू विरोधी- कीमत कोई भी हो,चाहतें हैं सत्ता -सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। सीएम योगी ने कहा कि रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ, दोनों भारत की प्रतिष्ठित धार्मिक और आध्यात्मिक संस्थाएं हैं। रामकृष्ण मिशन ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर पूरे देश और दुनिया के अंदर सनातन धर्म के मूल्यों और आदर्शों को, भारत के आध्यात्मिक मूल्यों को देश और दुनिया तक पहुंचाने का बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। भारत सेवाश्रम संघ, रामकृष्ण मिशन जैसी वैश्विक ख्याति की सनातनी–आध्यात्मिक संस्थाओं पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विवादित बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीएमसी समेत पूरे इंडी गठबंधन पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, टीएमसी, राजद, सपा और इंडी गठबंधन के सभी दल हिंदू विरोध की राजनीति करते हैं। शनिवार पूर्वाह्न लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए बलिया रवाना होने से पहले गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और उसके जो भी सहयोगी दल हैं, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बिहार में आरजेडी, बंगाल में टीएमसी या अन्य ऐसे भी जितने दल हैं, उनकी पूरी राजनीति ही हिंदू विरोध पर आधारित है।

पश्चिम बंगाल में भारत सेवाश्रम संघ और रामकृष्ण मिशन के खिलाफ टीएमसी सरकार की मुखिया ममता बनर्जी के विवादित और धमकी भरे बयान को संदर्भित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ, दोनों भारत की प्रतिष्ठित धार्मिक और आध्यात्मिक संस्थाएं हैं। रामकृष्ण मिशन ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर पूरे देश और दुनिया के अंदर सनातन धर्म के मूल्यों और आदर्शों को, भारत के आध्यात्मिक मूल्यों को देश और दुनिया तक पहुंचाने का बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इसी तरह भारत सेवाश्रम संघ भी सनातन हिंदू धर्म की बहुत ही प्रखर आध्यात्मिक संस्था है। स्वामी प्रणवानंद के मूल्यों और आदर्शों को लेकर भारत सेवाश्रम संघ ने देश और दुनिया में भारत के सनातन धर्म के मूल्यों और आदर्शों के लिए बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इसके साथ ही इन दोनों संस्थाओं ने सेवा के विभिन्न प्रकल्पों को भी देश और दुनिया के अंदर आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के सभी दलों कांग्रेस, सपा, टीएमसी, आरजेडी, आम आदमी पार्टी आदि की प्रवृत्ति ही हिंदू विरोधी राजनीति की है। सनातन धर्म का विरोध करना, हिंदू धर्म के मूल्यों और आदर्शों का विरोध करना स्वाभाविक रूप से उनकी नींव में है और उसी के अनुरूप उनके बयान और कदम सामने आ रहे हैं। ये बयान उनकी हार की बौखलाहट को प्रदर्शित करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि जिस स्वामी विवेकानंद ने कभी कहा था कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं, जिस रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ ने अध्यात्म और संस्कृति के जिस वृहद जागरण अभियान को देश–दुनिया मे बहुत ही अच्छे सेवा प्रकल्पों के साथ आगे बढ़ाया है, उससे जुड़े अनुयायी और श्रद्धालु कांग्रेस, टीएमसी और इंडी गठबंधन को मुंहतोड़ जवाब देंगे। उन्हें कहा कि जैसे रावण के समय में ऋषि मुनियों को धमकी दी जाती थी, उसी प्रकार की स्थिति इनके द्वारा पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। पर, सनातन धर्म इस प्रकार की गीदड़ भभकियों से डरने वाला नहीं है और इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ इंडी गठबंधन के दल हिंदुओं की धार्मिक और आध्यात्मिक संस्थाओं को धमकी दे रहे हैं तो दूसरी तरफ पिछड़ी जाति के लोगों के अधिकारों का जबरन बंदरबांट करने का काम कर रहे हैं। टीएमसी सरकार ने पश्चिम बंगाल के अंदर वर्ष 2010 में 118 मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल करके ओबीसी के आरक्षण पर सेंधमारी की थी। पिछले 14 वर्षों में पिछड़ी जाति के लाखों लोग आरक्षण की सुविधाओं से वंचित हुए होंगे। इसके लिए ममता बनर्जी की टीएमसी सरकार को और कांग्रेस को ओबीसी समुदाय से माफी मांगनी चाहिए। जिन युवाओं, जिन नागरिकों के अधिकार छीनने का यह कृत्य किया गया है, वह किसी भी स्थिति में स्वीकार योग्य नहीं है। दूसरा यह बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की भावना के विपरीत है। भारतीय संविधान के शिल्पी डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं हो सकता। सीएम ने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण भारत के एक और विभाजन के षडयंत्र का हिस्सा है। कोलकाता उच्च न्यायालय ने जो निर्णय लिया है वह अत्यंत सराहनीय और अभिनंदनीय है। उच्च न्यायालय का यह निर्णय टीएमसी, कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दलों के मुंह पर जोरदार तमाचा है।

सपा प्रत्याशी लालजी वर्मा व पुलिस के बीच झड़प, बोले– पैसा बांटते हुए नहीं पकड़ा, गाड़ी में था

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। पूर्व ब्लॉक प्रमुख लवकुश के घर पुलिसकर्मियों के पहुंचने से सपा प्रत्याशी लालजी वर्मा की पुलिस से झड़प हो गई। इस पर जब पुलिस ने बयान लेने की बात कही तो उन्होंने कहा कि पैसा गाड़ी में था। बांटते हुए पकड़ा नहीं गया था। सपा के लोकसभा प्रत्याशी लालजी वर्मा की पुलिस से तीखी झड़प हुई है। उनके करीबी पूर्व ब्लॉक लवकुश वर्मा के घर पुलिस मतदान के दिन पहुंची थी। एक दिन पहले शुक्रवार आधी रात करीब लवकुश के पास से टांडा नगर में एक लाख रुपए नकद मिले थे। पुलिस ने जांच के लिए रकम लेकर आदर्श आचार संहिता का मुकदमा दर्ज कर लिया था। वे घर चले गए थे। इस बीच शनिवार को दिन में पुलिस लवकुश के घर पहुंच गई। दरवाजा नहीं खुला तो आरोप है कि पुलिसकर्मी कूद कर अंदर गए और मुख्य गेट खोल दिया। इसके बाद अन्य पुलिसकर्मी भी अन्दर आ गए। इसी बीच खबर मिलते ही लालजी वर्मा वहां पहुंच गए। वहां उन्होंने पुलिसकर्मियों को खूब सुनाया। बोले मुझे कानून मत बताइए। पैसा कहीं बांटते नहीं पकड़ा गया है। रास्ते में गाड़ी से मिला है। जांच करिए। रात में बयान लेने के बाद अब फिर इस तरह से आने का क्या मतलब है। एसओ ने बयान के लिए ले जाने देने को कहा तो लाल जी अड़ गए। हंगामा बढ़ते देख पहले सीओ टांडा फिर एएसपी विशाल पांडेय पहुंचे। लालजी ने कहा कि यह तरीका ठीक नहीं है। मुझे बाध्य मत कीजिए। इसके बाद लालजी ने लवकुश को अपनी गाड़ी में बिठाया और वहां से लेकर चले गए। इसी बीच सोशल मीडिया पर पुलिस द्वारा पूर्व मंत्री लालजी वर्मा को नजरबंद करने और उनके घर छापा पड़ने की खबर फैल गई। इसे लेकर पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से लेकर कांग्रेस पार्टी और अन्य लोगों ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी।

श्रद्धालुओं की बस दुर्घटनाग्रस्त तीन की मौके पर मौत

संवाददाता–अयोध्या। कर्नाटक से अयोध्या आ रही मिनी बस बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के प्रयागराज हाईवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना में बस में सवार तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से एक श्रद्धालु को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। एक मिनी बस में सवार होकर श्रद्धालुओं का दल रामलला के दर्शन करने आ रहा था। बीकापुर के पास बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कर्नाटक के गुलवर्ग निवासी शिवपूजन 56 वर्ष, तनसय्या 45 वर्ष और शिवराज 60 वर्ष की मौत हो गई। इसके अलावा सुगलाबाई, अनुरप्पा, राजाराम, तारावती, प्रीति, शिवलीला, चंद्रकांता, इंदु, चंद्रमा, महादेव समेत 11 लोग घायल हो गए। जिला अस्पताल के इमरजेंसी मेडिकल अफसर आशीष पाठक ने बताया कि हालत गंभीर होने पर एक मरीज को मेडिकल कॉलेज, दर्शन नगर रेफर कर दिया गया है। शेष मरीजों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

काशी–मथुरा में मंदिर नहीं बनने पर बदलेंगे भाजपा सरकार –महंत राजू दास

संवाददाता–अयोध्या। लोकसभा चुनाव 2024 के बीच अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत राजू दास ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मऊ के घोसी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, "अगर काशी में मंदिर नहीं बना तो हम सरकार बदल देंगे।" एक न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक, राजू दास ने आगे कहा, "जैसे अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ, वैसे ही काशी और मथुरा में भी मंदिर का निर्माण होना चाहिए। मैं काम पकड़कर काम करवाता हूं और अगर नहीं होगा तो हम सरकार बदल देंगे। हम सरकार से डीजल लेते हैं और न तेल, अनाज। मैं किसी भी पार्टी से टिकट की मांग नहीं करता हूं। मैं सिर्फ सनातन की बात करता हूं।" महंत राजू दास ने कहा, "मैं जो कहता हूं डंके की चोट पर कहता हूं। विपक्ष में भी दम है। अगर विपक्ष भगवान श्रीकृष्ण जन्म भूमि पहुंच जाए और बोल दें कि मैं भगवान श्रीकृष्ण का वंशज हूं। मैं मंदिर का निर्माण करूंगा। तो हम भी सोचेंगे। अयोध्या तो अभी झांकी है मथुरा–काशी बाकी है।"

मुद्दों पर भाजपा बात नहीं करेगी सिर्फ करती है गुमराह –प्रियंका गांधी

संवाददाता–गोरखपुर। इंडिया गठबंधन की गोरखपुर में संयुक्त जनसभा में कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी बाड्रा ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर जम कर निशाना साधा। कहा कि लोकसभा चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री आज जनता के सामने आते है तो बेरोजगारी और महंगाई पर कुछ नहीं बोलते है। लेकिन संविधान बदलने की बात करते हैं। चेताया कि ये मताधिकार का अधिकार भी कमजोर कर देंगे। आह्वान किया कि ऐसी सरकार लाइए,जो आपके लिए काम कर दिखाए। अपील किया कि जिस तरह से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने इस गठबंधन के साथ एकजुटता से काम किया है, उसी तरह भी इंडिया गठबंधन की जीत बना कर दिखाइए। सहारा क्रिकेट ग्राऊंड पर इंडिया गठबंधन की जनसभा में प्रियंका गांधी ने कहा कि देश में 70 करोड़ लोग बेरोजगार हैं, यह 45 साल की सबसे बड़ी बेरोजगारी है। पूछा कि क्या समय आ गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताए कि बेरोजगारी क्या होती है? महंगाई इस कदर की हर चीज महंगी हो गई। कहा कि असल में मोदी गरीब विरोधी– किसान विरोधी सरकार चला रहे हैं। खेती से कमाई नहीं, किसान कर्ज ले रहा, कर्ज के दबाव में आत्महत्या कर रहा।

लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के मुंह से कर्जमाफी शब्द नहीं निकलता। बिहार की जनसभा में उनके मुंह से ऐसे शब्द निकले जो किसी प्रधानमंत्री ने कभी इस्तेमाल नहीं किए। जिस प्रधानमंत्री पद का पूरा देश आदर करता है मोदी को उस पद की गरिमा का कोई ध्यान नहीं है। प्रियंका ने कहा कि प्रधानमंत्री संविधान की बात करते हैं लेकिन संविधान के प्रति आदर का भाव नहीं रखते। उनके प्रत्याशी संविधान बदलने की बात करते हैं। इंडिया गठबंधन सिर्फ मुद्दों की बात करता है। महिला, किसान, नौजवान के भविष्य की बात करते हैं। उन्होंने प्रियंका गांधी ने न्याय पत्र में घोषित पांच न्याय एवं 24 गारंटियों की जानकारी दी। प्रियंका गांधी ने कहा कि गठबंधन की सरकार बनी तो पेपर लीक के खिलाफ कानून लाएगी। सरकारी नौकरियों के आवेदन निशुल्क होंगे। पढ़ाई के कर्ज माफ होंगे। किसानों के कर्ज माफ होंगे। श्रमिकों के लिए 400 रुपये की मजदूरी निर्धारित करेंगे। खास बीमा स्कीम लाएंगे। उन्होंने कुशीनगर की बंद होती चीनी मिलों, बुनकरों के लिए स्कीम का अभाव, मत्स्य पालक निषादों की समस्या, किसानों की फसलों के लिए निराश्रित पशुओं की समस्या, कुशीनगर एयरपोर्ट से बंद उड़ानों का भी जिक्र किया। प्रियंका गांधी ने नौजवानों से कहा कि चुनाव में मोदी की तरह जो नेता आकर स्तरहीन बाते करें, उन्हें रास्ता दिखाइए। सवाल पूछिए और एक जून को मतदान के दिन अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर उनका मार्गदर्शन किजिए।

बोली पूर्व सीएम मायावती, बीजेपी और कांग्रेस का घोषणा पत्र सिर्फ छलावा

संवाददाता–गोरखपुर। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने गोरखपुर में चुनावी जनसभा में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। कहा कि बीजेपी, कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों का चुनावी घोषणा पत्र सिर्फ छलावा होने के साथ हवा हवाई है। बीएसपी चुनाव में घोषणा पत्र जारी करने में नहीं सत्ता में आने पर काम करने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी दल पूंजीपतियों एवम् धन्ना सेठों के पोषक है। इसका खुलासा इलक्ट्रोलबॉन्ड से हो चुका है। सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि सपा आरक्षण विरोधी है। सत्ता में रहते हुए उसने पदोन्नति में आरक्षण को समाप्त किया। जिसका जवाब जनता देगी। मायावती शनिवार को गोरखपुर के रामगढ़तल क्षेत्र के चंपा देवी पार्क में चुनावी सभा को संबोधित कर रही थी।

मण्डल में गेहूं खरीद का लक्ष्य 3.85 लाख टन, खरीद 40 हजार टन खरीद की

संवाददाता–गोरखपुर। मण्डलायुक्त अनिल ढींगरा ने रबी विपणन वर्ष 2024–25 के अन्तर्गत मण्डल में गेहूं खरीद में लक्ष्य 3.85 लाख टन के सापेक्ष सिर्फ 40027.02 टन गेहूं खरीद पर सख्त नाराजगी जाहिर की है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया 15 जून तक सभी क्रय केंद्रों पर औचक निरीक्षण करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष गेहूं क्रय करना सुनिश्चित करें। किसी भी केंद्र पर लक्ष्य के सापेक्ष खरीद पर लापरवाही पाए जाने पर केंद्र प्रभारियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि मण्डल के सभी जनपदों की सीमा पर एन्फोर्समेंट टीम के साथ पैनी नजर रखें। ताकि गेहूं का अवैध रूप से निर्यात अन्य प्रदेश एवं जनपदों में न किया जा सके। मण्डलायुक्त, आयुक्त समागार में मण्डल में गेहूं क्रय की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने मण्डल के सभी केंद्रों के प्रभारियों को निर्देश दिया कि सभी किसानों से संपर्क स्वयं करें, किसी भी केंद्र में बिचौलियों की संलिप्तता पाई गई तो उस केंद्र के प्रभारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। केंद्रों के प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। मण्डलायुक्त ने नोडल अधिकारियों को कंट्रोल रूम कि निगरानी करने का निर्देश देते हुए कहा कि कंट्रोल रूम का संचालन प्रभावी ढंग से हो। किसानों के संपर्क करने पर उनकी समस्याओं का निदान तत्काल प्रभाव से किया जाएं। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों का भुगतान 48 घंटे के अंदर करना सुनिश्चित करें। बैठक में सीईओ गौडाध्यंमागीय खाद्य नियंत्रक अनुज मलिक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कुशीनगर, देवरिया और महराजगंज के अपर जिलाधिकारी अन्य संबंधित अधिकारी जुड़े रहे।

सीएम योगी ने की गोसेवा, बच्चों पर लुटाया प्यार दुलार

संवाददाता–गोरखपुर। शुक्रवार को गोरखपुर मंडल में एक के बाद एक पांच चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ शाम को गोरखनाथ मंदिर पहुंचे थे। मंदिर परिसर स्थित अपने आवास में रात्रि प्रवास करने के बाद शनिवार सुबह उनकी दिनचर्या परंपरागत रही। चुनाव के सातवें चरण के लिए ताबड़तोड़ चुनाव प्रचार में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। मंदिर में दर्शन–पूजन करने आए बच्चों को पास बुलाकर उन पर प्यार–दुलार लुटाता। चॉकलेट देकर और खूब पढ़ने–आगे बढ़ने का आशीर्वाद प्रदान कर उन्हें विदा किया। शुक्रवार को गोरखपुर मंडल में एक के बाद एक पांच चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ शाम को गोरखनाथ मंदिर पहुंचे थे। मंदिर परिसर स्थित अपने आवास में रात्रि प्रवास करने के बाद शनिवार सुबह उनकी दिनचर्या परंपरागत रही। महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद उन्होंने अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर जाकर मत्था टेका और उनका आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात हर बार की तरह वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। भ्रमण करते हुए वह गोशाला में पहुंचे। यहां गोवंश को उनके नाम से आवाज देकर अपने पास बुलाया। उन्हें रोटी–गुड खिलाकर उनकी सेवा की। थी उन्होंने गोशाला के स्वयंसेवकों को भीषण गर्मी में गोवंश की देखभाल के लिए उठाए जाने वाले जरूरी कदमों को लेकर निर्देशित किया। गोसेवा के दौरान कई गोवंश से वह कुछ देर खेलते भी रहे।

वोट डालने गई महिला की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। थाना बेलहरकला के मंझरिया पठान बूथ से 50 मीटर दूर स्थित पुलिया के पास एक महिला बेहोश होकर गिर पड़ी। उसे इलाज के लिए सीएचसी मेंहदावल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। थाना बेलहरकला के मंझरिया पठान के केवटहिया टोला निवासी महिला जलधारी (55) पत्नी बसन्त वोट देने के लिए बूथ पर जा रही थी। आते समय बूथ से पचास मीटर पहले बेहोश होकर गिर गई। उन्हें उनके पुत्र झीनक व परिवार के लोगों ने इलाज के लिए सीएचसी मेहदावल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

भाजपा सांसद रवि किशन ने बाइक रैली कर लोगों से मतदान के लिए किया अपील

संवाददाता–गोरखपुर। सांसद रवि किशन शुक्ला ने शनिवार को बाइक रैली के माध्यम से लोगों को मतदान के लिए अपील की। इसके साथ ही कई जगहों पर जनसंपर्क किया। सांसद रवि किशन ने गीतानगर मंडल के हांसूपुर, बसंतपुर में जनसंपर्क किया। इसके बाद सांसद रवि किशन के नेतृत्व में मालवीय नगर मंडल के सिविल लाइन्स स्थित गोरखपुर क्लब से बाइक रैली निकाली गयी। इस बाइक रैली में भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। यह रैली गोरखपुर क्लब से इंदिरा बाल बिहार,यूनिवर्सिटी चौक, गणेश चौक, कचहरी चौक, शास्त्री चौक होते हुए गोरखपुर क्लब पर समाप्त हुआ। सांसद रवि किशन ने कहा कि बाइक रैली का मकसद लोगों को मतदान के लिए जागरुक करना था। इसके साथ ही एक जून को कमल के फूल का बटन दबाकर मोदी सरकार को फिर से लाने की अपील भी की। सांसद ने कहा समाज के हर वर्ग के लोगों का साथ मुझे मिल रहा है। लोग विकास कार्यों को महत्व दे रहे है।

सांसद रवि किशन ने कहा कि आज देश विश्व कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश का तीव्र गति से विकास हुआ है। आज सभी योजनाओं का लाभ आमजनता को मिल रहा है।

उत्तर प्रदेश आज उत्तर प्रदेश बना है। सीएम योगी के नेतृत्व में आज यहां कानून का राज है। आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। बेटियां सुरक्षित हैं। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, भाजपा नेता राहुल राणा सिंह अजय श्रीवास्तव सहित सैंकड़ों की संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मौसम की मार से आम–लीची के फल छोटे हुए

संवाददाता–गोरखपुर। मार्च से ही अप्रत्याशित रूप से बढ़े तापमान और बारिश न होने के चलते इस बार आम और लीची के फल छोटे रह गए हैं। बागीचों में आम और लीची के फलों के फटने और असमय पेड़ से गिरने की शिकायतें बढ़ गई हैं। किसान आम और लीची के उत्पादन व स्वाद प्रभावित होने को लेकर चिंतित हैं। बढ़ते शहरीकरण और संसाधनों के विकास के चलते बागीचे निरंतर सिकुड़ रहे। फलदार पेड़ों की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। रही सही कसर जलवायु परिवर्तन के बढ़ते दुष्प्रभाव और तपिश ने पूरी कर दी है। गोरखपुर में 160 हेक्टेयर में गवरजीत, दशहरी, चौसा, कपूरी व अन्य देशी प्रजातियों के साथ 110 हेक्टेयर में लीची की खेती की गई है। लेकिन असमय गर्मी और बारिश न होने से आम और लीची के फल के छिलके झुलस गए। उनकी कोशिकाएं मरने से वे फट गए हैं। वे असमय पेड़ों से गिरने लगे हैं। इस कारण पेड़ों पर फलों की संख्या भी कम नजर आ रही है। गोरखपुर में बागवानी करने वाले किसान मोहम्मद मतीउल्लाह, मोहम्मद माज, तैय्यब उमर का कहना है कि इस बार बारिश न होने और गर्मी ज्यादा पड़ने के कारण फल का साइज छोटा हो गया। इसके अलावा सनबर्न की समस्या भी है। फल फटकर गिर जा रहे हैं। इन किसानों की चिंता है कि इस बार उत्पादन और स्वाद दोनों प्रभावित हो सकता है।

चार माह में दो करोड़ श्रद्धालुओं ने किए रामलला के दर्शन

संवाददाता–अयोध्या। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से रामनगरी अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बन चुकी है। भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के चार माह पूरे हो गए हैं। इन चार माह में रामलला के दरबार में दो करोड़ 12 हजार श्रद्धालु हाजिरी लगा चुके हैं। 2022 में पूरे साल में 2.21 करोड़ श्रद्धालु अयोध्या आए थे।

काशी के बाद सबसे ज्यादा श्रद्धालु अयोध्या ही आ रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, काशी विश्वनाथ धाम में पिछले चार माह में तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालु दर्शन–पूजन कर चुके हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को पीएम नरेंद्र मोदी ने की थी। 23 जनवरी को भव्य मंदिर आम भक्तों के लिए खोला गया। पहले दिन ही भक्तों ने रामलला के दर्शन का रिकॉर्ड बना दिया था। 23 जनवरी को चार लाख भक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई थी। रामनवमी के बाद से ही अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या घटी, लेकिन अब छुट्टियों के दिन शुरू हो गए हैं तो लोगों के लिए पहली पसंद अयोध्या बन रही है। बुद्ध पूर्णिमा के दिन बृहस्पतिवार को 1.35 लाख श्रद्धालुओं ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई।

राम मंदिर में मोबाइल पर लगा बैन

संवाददाता–अयोध्या। रामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों, मंडलायुक्त एवं आईजी की संयुक्त बैठक में राम मंदिर परिसर में मोबाइल फोन प्रतिबंधित किए जाने का निर्णय गुरुवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हनुमानजी की मूर्ति का हाथ टूटे होने की घटना से जोड़ कर देखा जा रहा है। यद्यपि अतिसंवेदनशील सुरक्षा व्यवस्था के चलते इसी वर्ष 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही राम मंदिर परिसर में मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित था, किंतु वीआईपी दर्शन के नाम पर बड़ी संख्या में लोग राम मंदिर तक मोबाइल लेकर जा रहे थे। ऐसी ही छूट के परिणामस्वरूप संभवतरू उस महिला ने राम मंदिर परिसर में गर्भगृह की ओर जाते हुए हनुमानजी की मूर्ति का हाथ टूटा देख कर उसका चित्र ले लिया था, जिसने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा कर यह सूचना सार्वजनिक की थी। मंदिर परिसर में रामजी के प्रिय दूत पवनपुत्र की खंडित प्रतिमा का चित्र इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के साथ ही श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को किरकिरी का सामना करना पड़ा था।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com